हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

जनता को श्रेय

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पांच साल में बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को नहीं, बल्कि जनता को जाता है।

शनिवार, 20 अप्रैल 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 24, अंक 93, 20 पेज+अनोखी, मूल्य ₹ 4.00, वैशाख, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, विक्रम सम्वत् 2076

80% इंजीनियरिंग छात्र रोजगार के योग्य नहीं

एजुकेशन फेस्टिवल

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

देश के लगभग 80 फीसद इंजीनियरिंग के छात्रों में रोजगार की योग्यता ही नहीं है। यह तथ्य हाल ही में हुए नेशनल इम्प्लायबिलिटी रिपोर्ट के अध्ययन में सामने आया है। यह जानकारी वरिष्ठ पर्यावरणविद व स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक (तकनीकी) डॉ. भरतराज सिंह इंडियन एजुकेशन फेस्टिवल के तहत कार्यक्रम में दी।

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के 2017 के आकड़ों के अनुसार देश में कुल 10,345 इंजीनियरिंग कालेज हैं। महज 396 कालेज गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करा रहे हैं। शेष कालेज एक फैक्ट्री के रूप मे शिक्षा का व्यवसाय कर रहे है। लगभग 80 % भारतीय इंजीनियरिंग छात्रों में रोजगार की योग्यता ही नहीं है। राज्यों में बिहार-झारखंड, दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड की स्थिति थोड़ी ठीक है। लेकिन तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

बिना बोझ के हो शिक्षा

डॉ. भरत ने कहा कि शिक्षा बिना बोझ के होनी चाहिये। शिक्षा में गुणात्मक सुधार की जरूरत है। शिक्षक बच्चों को जाने-समझे। कक्षा में उनके व्यवहार को समझे। सीखने के लिए उपयुक्त माहौल तैयार करें। उनके लिए उपयुक्त गतिविधियों का चुनाव करें। बच्चे की जिज्ञासा को बनाए रखें। उन्हें अपने विचार रखने का अवसर दें। उनके अनुभवों का सम्मान करें। इंजी. क्षेत्र में आयी गिरावट में रोजगारपरक बेहतर शिक्षा देने व योग्य इंजीनियर बनाने की आवश्यकता है।